



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 14 दिसंबर, 2020

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दविस

भारत में प्रतविर्ष 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दविस मनाया जाता है। इस दविस के आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण की दशा में पर्यासों को बढ़ावा देते हुए आम लोगों को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परविरतन के खतरों के प्रतजागरूक बनाना है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतविर्ष इस दविस का आयोजन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) द्वारा कया जाता है। भारत सरकार ने ऊर्जा संरक्षण अधनियम, 2001 के तहत 1 मार्च, 2002 को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) की स्थापना की थी। यह एक सांवधिक नकिया है, जो कऐसी नीतयों और रणनीतयों के वकिस में सहायता प्रदान करता है जनिका प्रमुख उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था में ऊर्जा की गहनता को कम करना है। ज्ञात हो कदेश की जनसंख्या में अनवरत बढ़ोतरी दरज की जा रही है, जसिकी वजह से ऊर्जा उपभोग में भी बढ़ोतरी हो रही है। अतः ऊर्जा के उपभोग को कम-से-कम करने हेतु ऊर्जा संरक्षण की दशा में पर्यासों को बढ़ावा देना आवश्यक है, ताक ऊर्जा स्रोतों और संसाधनों को भवष्य के उपयोग के लयि बचाया जा सके।

फलिम और मनोरंजन कषेत्र को उद्योग का दरजा

महाराष्ट्र सरकार राज्य में फलिम और मनोरंजन कषेत्र को उद्योग का दरजा देने पर वचिर कर रही है और इस संबध में जलद ही राज्य मंत्रमिंडल के समकष एक प्रस्ताव पेश कया जाएगा। ज्ञात हो कभारत में फलिम और मनोरंजन कषेत्र बढ़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करता है और यदइसे उद्योग का दरजा प्रदान कया जाता है तो इसे बढ़ी संख्या में रयायतें मलि सकेंगी, जो कइस कषेत्र और संपूरण अर्थव्यवस्था के वकिस के लयि काफी महत्त्वपूरण साबति होगा। भारत भर में फलिम और मनोरंजन कषेत्र, जसमें टेलीवज़िन, डजिटिल मीडिया, लाइव इवेंट, एनीमेशन, सनिमा, रेडयो आद शामलि हैं, का वसितार काफी तेज़ी से हो रहा है और भवष्य में इस कषेत्र के और अधक वकिस के लयि इसे उद्योग का दरजा दया जाना काफी महत्त्वपूरण है। असल में 'उद्योग के दरजे' को भारत के कसी भी कानून में वशिष तौर पर परभाषति नही कया है, बल्क यह एक सांकेतिक दरजा है, जो ककिसी वशिषिट कषेत्र (जैसे- फलिम और मनोरंजन कषेत्र) के राज्य/केंद्रीय औद्योगिक नीति में समावेश को इंगति करता है। उदाहरण के लयि इसी वर्ष मई माह में 'खेल' को उद्योग का दरजा देने वाला मज़ोरम पहला राज्य बना था।

'महाशरद' प्लेटफॉर्म

दवियांग लोगों की सहायता के लयि महाराष्ट्र सरकार ने डजिटिल प्लेटफॉर्म वकिसति कया है। 'महाशरद' (MahaSharad) नाम का यह डजिटिल प्लेटफॉर्म राज्य में दवियांग लोगों को मुफ्त में आवश्यक उपकरण प्राप्त करने में मदद करेगा। यह डजिटिल प्लेटफॉर्म राज्य के दवियांगजनों और उपकरण दान करने वाले लोगों, कंपनयों और वक्रेताओं के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। दवियांगजनों के जीवन को सुगम बनाने के लयि आवश्यक आधुनिक उपकरण जैसे- बरेल कटि, श्रवण यंत्र, कृत्रमि अंग और बैटरी से चलने वाली वहीलचेयर आद सभी बाज़ार में उपलब्ध हैं, कति इन उपकरणों को खरीदने की कषमता सभी लोगों के पास नहीं है, जसिके कारण प्रायः आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के दवियांग लोगों को दैनिक जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। वही दूसरी ओर देश भर में कई संगठन, नजिी कंपनयों और उद्योगपत ऐसे हैं जो इस प्रकार के उपकरणों को दान देने के इच्छुक हैं, ऐसे में इन दोनों प्रकार के लोगों को एक साथ, एक मंच पर लाना आवश्यक है। ज्ञात हो कमहाराष्ट्र सरकार के इस डजिटिल प्लेटफॉर्म पर प्राप्तकर्त्ता के रूप में केवल महाराष्ट्र के दवियांग लोग ही पंजीकरण करवा सकते हैं, जबक दानकर्त्ता के रूप में यहाँ पर देश भर से कोई भी व्यक्ति अथवा संगठन पंजीकरण करवा सकता है।

'एनगिमा' एन्क्रपिशन मशीन

समुद्री गोताखोरों के एक समूह ने बाल्टिक सागर में एक 'एनगिमा' (Enigma) एन्क्रपिशन मशीन की खोज की है, जसिका उपयोग द्वितीय वशि्व युद्ध के दौरान नाज़ी सेना द्वारा गुप्त संदेश भेजने और उन्हें एनकोड करने के लयि कया गया था। 'एनगिमा' एन्क्रपिशन मशीन का आवषिकार प्रथम वशि्व युद्ध के अंत में जर्मन इंजीनयिर आर्थर शेरेबयिस द्वारा कया गया था, हालाँक उस दौरान इस मशीन का उपयोग नहीं कया गया। द्वितीय वशि्व युद्ध के दौरान नाज़ी जर्मनी की सेना ने कोड में संदेश प्रसारति करने के लयि 'एनगिमा' एन्क्रपिशन मशीन का उपयोग कया था। इस मशीन में कसी भी खुफया संदेश को एन्क्रपिट करने के लयि काफी अत्याधुनिक प्रणाली का उपयोग कया गया था, जसिके कारण मतिर राष्ट्रों के सैन्य और खुफया वभिगों को इन संदेशों को डकिरपिट करने में काफी चुनौतयों का सामना करना पड़ा था।

